माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर

बी0 ए0 हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र 2024–2025

माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर

बी0 ए0 हिंदी पाठ्यक्रम

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	कोर्स कोड (मां0 षा0 वि0 वि0)	प्रश्न पत्र का शीर्षक	लिखित/ प्रयोगात्मक	क्रेडिट्स
बी0 ए0 प्रथम वर्ष	प्रथम	A010101T	0110101	हिंदी काव्य	लिखित	06
बी0 ए0 प्रथम वर्ष	द्वितीय	A010201T	0210101	कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर	लिखित	06
बी0 ए0 द्वितीय वर्ष	तृतीय	A010301T	0310101	हिंदी गद्य	लिखित	06
बी0 ए0 द्वितीय वर्ष	चतुर्थ	A010401T	0410101	हिंदी अनुवाद	लिखित	06
बी0 ए0 द्वितीय वर्ष	चतुर्थ		0410165	शोध परियोजना	शोध परियोजना	03
बी0 ए0 तृतीय वर्ष	पंचम	A010501T	0510101	साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना	लिखित	05
बी0 ए0 तृतीय वर्ष	पंचम	A010502T	0510102	हिंदी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	05
बी0 ए0 तृतीय वर्ष	षष्ठम	A010601T	0610101	भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि	लिखित	05
बी0 ए0 तृतीय वर्ष	षष्ठम	A010602T	0610102	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	लिखित	05

पाठ्यक्रम समिति (हिंदी)

क्र0 सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय	हस्ताक्षर
1	डॉ0 जया (संयोजक)	प्रोफेसर	एम0 एल0 एंड जे0 एन0 के0 गर्ल्स कॉलेज, सहारनपुर	
2	डॉ0 अर्चना धामा (सदस्य)	प्रोफेसर	डी0 ए0 वी0 कॉलेज, मुज़फ्फरनगर	
3	डॉ0 राम विनय शर्मा (सदस्य)	प्रोफेसर	महाराज सिंह कॉलेज, सहारनपुर	
4	डॉ0 निकेता (सदस्य)	प्रोफेसर	एस0 डी0 कॉलेज, मुजफ्फरनगर	
5	प्रो0 नवीन चंद्र लोहनी (वाह्य विशेषज्ञ)	संकायाध्यक्ष एवं अध्यक्षः हिंदी विभाग	चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ	
6	प्रो0 नरेश मिश्र (वाह्य विशेषज्ञ)	पूर्व आचार्य	एम0 डी0 विश्वविद्यालय, रोहतक	

GENERAL PROGRAMME OUTCOMES

- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिंदी साहित्य एवं भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
- साहित्य के मूलभूत स्वरूप यथा विभिन्न विधाओं, हिंदी के रोज़गारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिंदी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
- भाषा, साहित्य तथा संस्कृति की अंतर्संबद्धता के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा।
- कंप्यूटर, सिनेमा, अनुवाद आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को नए समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा।

योजनाः विशिष्ट निष्कर्ष

बी0 ए0 प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेस्टर के **'हिंदी काव्य'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिंदी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिंदी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

बी0 ए0 प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर के **'कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिंदी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कंप्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोज़गार प्राप्त कर सकें।

बी0 ए0 द्वितीय वर्ष के तृतीय सेमेस्टर के **'हिंदी गद्य'** प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को हिंदी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिंदी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों, एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

बी0 ए0 द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर के **'हिंदी अनुवाद'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के वैश्विक प्रचार–प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

बी0 ए0 तृतीय वर्ष के पंचम सेमेस्टर, के प्रथम प्रश्नपत्र **'साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना'** के अंतर्गत विद्यार्थी को साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्त्व और विषय–क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिंदी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना।

बी0 ए0 तृतीय वर्ष के पंचम सेमेस्टर, के द्वितीय प्रश्नपत्र **'हिंदी का राष्ट्रीय काव्य'** के अंतर्गत हिंदी साहित्य एवं सिनेमा की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता और महानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

बी0 ए0 तृतीय वर्ष के षष्ठम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र **'भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि'** के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के अंगों, हिंदी भाषा के उद्‌भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना एवं उन्हें हिंदी की वैज्ञानिक एवं संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

बी0 ए0 तृतीय वर्ष के षष्ठम सेमेस्टर, के द्वितीय प्रश्नपत्र **'लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति'** के अंतर्गत भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्त्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	B.A. I YEAR	SEMESTER: I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0110101 (A010101T)	COURSE TITLE हिंदी काव्य	

Course Outcomes:

हिंदी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिंदी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिंदी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

CREDITS: 6	MAX. MARKS: 75 (+25)	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहासः इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकासः** भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य, हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ। सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य। भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण, भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेदः रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीति मुक्त, प्रमुख कवि और उनका काव्य	12
II	**आधुनिक कालीन काव्य का इतिहासः** सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857 का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम और पुनर्जागरण, हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध	12

	वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।	
III	**आदिकालीन कविः** **विद्यापतिः** (विद्यापति पदावली–संपा. : शिव प्रसाद सिंह (पद सं0 15, 23, 26) **गोरखनाथ :** (गोरखबानीः संपादक पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल गोरखबानी सबदी (संख्या 2,4,7,8,16), पद (राग रामश्री 10,11) **अमीर खुसरोः** (अमीर खुसरो–व्यक्तित्व एवं कृतित्वः डॉ0 परमानंद पांचाल) कव्वाली– घ (1), गीत–ड. (4), (13), दोहे– च (पृष्ठ 86), 05 दोहे–गोरी सोवे, खुसरो रैन, देख मैं, चकवा चकवी, सेज सूनी।	10
IV	**भक्तिकालीन निर्गुण कविः** **कबीरः** (कबीरदास–संपा, श्यामसुंदर दास) क. गुरुदेव को अंग –01, 06, 11, 17, 20। ख– बिरह कौ अंग –04, 10, 12, 20, 33 **मलिक मोहम्मद जायसीः** (मलिक मोहम्मद जायसी– संपा.–आचार्य रामचंद्र शुक्ल) नागमती वियोग खंड (01 से 06 पद तक)	10
V	**भक्तिकालीन सगुण कविः** **सूरदास :** (भ्रमरगीत सार–संपा0 आचार्य रामचंद्र शुक्ल) (पद संख्या–07, 21, 23, 24, 26) **गोस्वामी तुलसीदास :** (श्रीरामचरित मानस–गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या कांड–दोहा संख्या 28 से 41	11
VI	**रीतिकालीन कविः** **केशवदासः** (कविप्रिया (प्रिया प्रकाश)– लाला भगवानदीन) तृतीय प्रभाव–1, 2, 4, 5	11

	बिहारीलाल : बिहारी रत्नाकर–जगन्नाथ दास रत्नाकर) प्रारंभ के 10 दोहे **घनानंदः** (घनानंद ग्रंथावली–संपा., विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित–1, 4, 7	
VII	**आधुनिकालीन कविः** **भारतेंदु हरिश्चंद्र :** मातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहूँ जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता पता मोहि कीजे **जयशंकर प्रसादः** कामायनी के श्रद्धा सर्ग के प्रथम दस पद,ऑसू के प्रथम पांच पद **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :** वर दे वीणा वादिनि वर दे, वह तोड़ती पत्थर, सरोज–स्मृति **सुमित्रानंदन पंतः** मौन निमंत्रण, प्रथम रश्मि, यह धरती कितना देती है **महादेवी वर्मा :** बीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, फिर विकल हैं प्राण मेरे, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो।	12
VIII	**(अ) छायावादोत्तर कविः** **अज्ञेय :** नदी के द्वीप, नया कविः आत्म स्वीकार, नंदा देवी–6 (नंदा बीस तीस –एक मरू दीप) **नागार्जुन** : बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद **धर्मवीर भारती** : बोआई का गीत, कविता की मौत (दूसरा सप्तक, संपादक अज्ञेय) **धूमिल** : 1 मोचीराम 2 रोटी और संसद **दुष्यंत** : 1 हो गयी है पीर पर्वत पिघलनी चाहिए, 2 तो तय था चिरागा हर एक घर के लिए।	12

संदर्भ ग्रंथः

1. डॉ. नगेंद्र, (संपा), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 1976
2. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019

6. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
8. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
9. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
10. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961, तृतीय संस्करण
11. भटनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिंदी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952
12. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिंदी साहित्य की भूमिका, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940
13. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, विद्यापति : एक अध्ययन, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली, 1991
14. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1957
15. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
16. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
17. वर्मा रामकुमार, कबीर का रहस्यवाद, साहित्य, भवन, इलाहाबाद, 1941
18. वर्मा, रामलाल, जायसीः व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली, 1979
19. पाठक, शिवसहाय, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद
20. शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर, 1965
21. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
22. वाजपेयी नंददुलारे, सूर संदर्भ, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
23. त्रिपाठी रामनरेश, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग–1), हिंदी मंदिर, प्रयाग, 1937
24. दीक्षित राजपति, तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
25. सिन्हा डॉ. अरविंद नारायण, विद्यापतिः युग और साहित्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
26. डॉ. नगेंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
27. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
28. त्रिगुणायत गोविंद, कबीर की विचारधारा, साहित्य निकेतन, कानपुर
29. उपाध्याय विशंभर नाथ, सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
30. किशोरीलाल, घनानंदः काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद
31. भटनागर रामरतन, केशवदासः एक अध्ययन, किताब महल, इलाहाबाद, 1947

32. शर्मा किरणचंद्र, केशवदासः जीवनी, कला और कृतित्व, भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली, 1961
33. डॉ. नगेंद्र, कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1962
34. शर्मा, रामविलास, निराला की साहित्य साधना, भाग–2, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981, द्वितीय संस्करण
35. गौड़, राजेंद्र सिंह, आधुनिक कवियों की काव्य साधना, श्रीराम मेहता एण्ड संस, आगरा, 1953
36. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
37. कुमार विमल, छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1970
38. तिवारी, भोलानाथ, प्रसाद की कविता, साहित्य भवन, प्रयागराज
39. डॉ. नगेंद्र, सुमित्रानंदन पंत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1962
40. शर्मा, रमेश, पंत की काव्य साधना, साहित्य निकेतन, कानपुर
41. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिंदी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
42. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
43. सिंह, विजयबहादुर, नागार्जुन, का रचना संसार, संभावना प्रकाशन, हापुड, 1982
44. अष्टेकर, कटघरे का कवि धूमिल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
45. नवल, नंदकिशोर, मुक्तिबोध, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
46. त्रिपाठी, डॉ. हंसराज, आत्मसंघर्ष की कविता मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़
47. सिंह, शंभूनाथ, छायावाद युग, सरस्वती मंदिर प्रकाशन, वाराणसी, 1962
48. अज्ञेय, दूसरा सप्तक, प्रगति प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माला, 1951
49. सिंह, डॉ. उदय प्रताप, नाथ पंथ और गोरखबानी, आर्यावर्त्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली 2001
50. डॉ. प्रेमशंकर, प्रसाद का काव्य
51. डॉ. रामविलास शर्मा, निराला की साहित्य साधना भाग 1, 2, 3, 4

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject..... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	**B.A. I YEAR**	**SEMESTER: II**
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0210101 (A010201T)	**COURSE TITLE** कार्यालयी हिंदी और कम्प्यूटर	

Course Outcomes:

हिंदी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कंप्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कंप्यूटर पर कार्य करने में सक्षम होकर रोज़गार प्राप्त कर सकें।

CREDITS: 6	**MAX. MARKS: 75 (+25)**	**MIN. PASSING MARKS: 33**

Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्रः** कार्यालयी हिंदी की संकल्पना उद्देश्य एवं क्षेत्र	11

	कार्यालयी हिंदी में संभावनाएँ	
II	**कार्यालयी हिंदी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावलीः** शब्दावली निर्माण के सिद्धांत कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली कार्यालयों एवं अधिकारियों के पदनाम, संबोधन आदि प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली	11
III	**कार्यालयी हिंदी पत्राचारः** आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञापन विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति	12
IV	**प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन एवं प्रतिवेदनः** प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	11
V	**हिंदी भाषा और कंप्यूटर का विकास क्रम :** कंप्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास कंप्यूटर में हिंदी भाषा के विकास का इतिहास कंप्यूटर में हिंदी का प्रयोग	11
VI	**हिंदी भाषा में कंप्यूटर प्रौद्योगिकीः**	11

	इंटरनेट और हिंदी, ई मेल हिंदी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट सोशल मीडिया पर हिंदी लेखन कौशल	
VII	**हिंदी भाषा और ई शिक्षण :** इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र–पत्रिकाएँ इंटरनेट पर उपलब्ध दृश्य–श्रव्य सामग्री ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई पुस्तकालय सामग्री सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं	11
VIII	**(अ) हिंदी कंप्यूटर टंकण एवं शार्ट हैण्ड का सैद्धान्तिक पक्षः** हिंदी भाषा के विभिन्न फॉण्ट यूनिकोड स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी हिंदी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण	12

संदर्भ ग्रंथ :

1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्मरामा एण्ड संस, नई दिल्ली, 1963
2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयी हिंदी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991
3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
4. गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिंदीः प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भाटिया, कैलाश चंद्र, प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
8. जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी एवं कंप्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजयकुमार, कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. गोयल संतोष, हिंदी भाषा और कंप्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. हरिमोहन, कंप्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. शर्मा, पी.0 के0, कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धान्त, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।

14. संजय द्विवेदी (संपा), सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
15. शुक्ल, सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन, दिल्ली
16. कुमार सुरेश, इंटरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
17. श्रीवास्तव गोपीनाथ, कंप्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
18. कपूर, अरुण, कंप्यूटर परिचय
19. श्रीवास्तव, डॉ. रवींद्रनाथ, सहाय, रमानाथ, हिंदी का सामाजिक संदर्भ
20. राजीव, राजेंद्र कुमार, कंप्यूटर प्रोग्रामिंगः सिद्धांत और तकनीक
21. विज्ञाचार्य, राम बंसल, प्रारम्भिक कंप्यूटर शिक्षा
22. मल्होत्रा, विजय कुमार, कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
23. बंसल, राम, कंप्यूटर सूचना प्रणाली विकास
24. रैना, गौरी शंकर, संचार माध्यम लेखन
25. भाटिया, कैलाश चंद्र, कामकाजी हिंदी
26. श्रीवास्तव, गोपीनाथ, सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

PROGRAMME/CLASS: DIPLOMA	B.A. II YEAR	SEMESTER: III
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0310101 (A010301T)	COURSE TITLE हिंदी गद्य	

Course Outcomes:

हिंदी के विद्यार्थियों को हिंदी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिंदी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें।

CREDITS: 6	MAX. MARKS: 75 (+25)	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**हिंदी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहासः** हिंदी कहानी का उद्‌भव और विकास हिंदी उपन्यास का उद्‌भव और विकास हिंदी नाटक का उद्‌भव और विकास हिंदी आलोचना का उद्‌भव और विकास हिंदी की अन्य गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास	12
II	**हिंदी गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचयः** तत्त्व एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ। कहानी उपन्यास नाटक	12

	एकांकी आलोचना निबंध यात्रा वृत्तांत संस्मरण रेखाचित्र डायरी रिपोर्ताज आत्मकथा जीवनी व्यंग्य	
III	**हिंदी उपन्यास :** गबन–प्रेमचंद	11
IV	**हिंदी कहानी** पंच परमेश्वर–प्रेमचंद आकाशदीप–जयशंकर प्रसाद पाजेब–जैनेन्द्र परदा–यशपाल तीसरी कसम–रेणु गैंग्रीन–अज्ञेय पिता–ज्ञानरंजन	11
V	**हिंदी नाटक एवं एकांकी :** **नाटकः** ध्रुवस्वामिनी– जयशंकर प्रसाद **एकांकी :** दीपदान– डॉ. रामकुमार वर्मा भोर का तारा– जगदीश चंद्र माथुर	11
VI	**हिंदी निबंध :** भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है– भारतेंदु हरिश्चन्द्र मित्रता– आचार्य रामचंद्र शुक्ल	11

	अशोक के फूल– हजारी प्रसाद द्विवेदी उत्तरा फाल्गुनी के आसपास– कुबेरनाथ राय तुम चंदन हम पानी– डॉ. विद्यानिवास मिश्र	
VII	**अन्य गद्य विधाएं–प्रथम खंड :** रेखाचित्र (गिल्लू–महादेवी वर्मा) संस्मरण (तीस बरस का साथी–रामविलास शर्मा) जीवनी अंश (कलम का सिपाही–अमृत राय) रिपोर्ताज (पहाड़ी रिक्शा–कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर) व्यंग्य (एक फाइल का सफर–रवींद्र नाथ त्यागी)	11
VIII	**अन्य गद्य विधाएं–द्वितीय खंडः** यात्रा वृत्तांत (मेरी तिब्बत यात्रा–राहुल सांस्कृत्यायन) डायरी अंश (एक साहित्यिक की डायरी–भूमिका भाग एवं तीसरा क्षण पृष्ठ सं0 7–28 मुक्तिबोध) इंटरव्यू (मैं इनसे मिला, श्री सूर्यकांत त्रिपाठी निराला–पद्म सिंह शर्मा कमलेश) आत्मकथा अंश (जूठन–ओम प्रकाश वाल्मीकि)	11

संदर्भ ग्रंथः

1. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007
2. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
3. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
4. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018
6. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन् 1975
7. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा
8. वर्मा, डॉ. रामकुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोतः ई पुस्तकालय
9. हरिश्चंद्र, भारतेंदु, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. प्रसाद, जयंशकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. रस्तोगी, गिरीश, हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद
12. ओझा, डॉ. दशरथ, हिंदी नाटकः उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली

13. त्रिपाठी, सत्यवती, आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

14. किशोर, ब्रजराज, हिंदी नाटक और रंगमंच, जनप्रिय प्रकाशन

15. रस्तोगी, गिरीश, समकालीन हिंदी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

16. कुमार, सिद्धनाथ, हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद

17. महेंद्र, डॉ. रामचरण, हिंदी एकांकी, उद्भव और विकास, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली

18. बिसारिया, डॉ. पुनीत, निबंध निकष, शब्द सेतु प्रकाशन, नई दिल्ली , 2009

19. शर्मा, डॉ. योगेंद्र नाथ 'अरूण', कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर रचना संसार, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

20. प्रभाकर, कन्हैया लाल मिश्र, क्षण बोले कण मुस्काए, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।

21. मुक्तिबोध गजानन माधव–एक साहित्यिक की डायरी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

22. डा0 नगेंद्र, मेरे प्रिय निबंध

23. भाटिया, डा. कैलाश चंद्र, साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ

24. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की सामाजिक प्रतिबद्धता, संजय शर्मा

25. तिवारी रामचंद्र, हिंदी गद्य विन्यास और विकास

26. हिंदी गद्य विन्यास और विकास, रामचंद्र

27. तिवारी रामचंद्र, आचार्य रामचंद्र शुक्ल

28. शर्मा कमल, आधुनिक निबन्ध

29. हिंदी व्यंग्य का इतिहास, सुभाष चंदर ६

30. हिंदी गद्य के आयाम, डॉ. वेंकट शर्मा

31. आधुनिक हिंदी निबंध, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र/डॉ. मनोज मिश्र

32. अतीत के चलचित्र, महादेवी वर्मा

33. हिंदी गद्य मीमांसा, रमाकांत त्रिपाठी

34. हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश

35. हिंदी उपन्यासः एक अंतर्यात्रा, डॉ. रामदरश मिश्र

36. आधुनिकता एवं सृजनात्मक साहित्य, इंद्रनाथ मदान

37. भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी उपन्यास, डॉ. शशि भूषण सिंघल

38. उपन्यासों का उदय, डॉ. धर्मपाल सरीन

39. हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, परमानंद श्रीवास्तव

	40. उपन्यासः स्वरूप और संवेदना, राजेंद्र यादव 41. उपन्यासः स्थिति और गति, चंद्रकांत बांदिवडेकर 42. हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय 43. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय 44. कहानीः नई कहानी, डॉ. नामवर सिंह 45. नई कहानीः संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी (संपा.) 46. कहानी आंदोलन की भूमिका, डॉ. बलराज पांडेय 47. इक्कीसवी सदी का हिंदी उपन्यास, पुष्पपाल सिंह 48. हिंदी उपन्यासः पहचान और परख, इंद्रनाथ मदान (संपा.) 49. हिंदी कहानीः अतरंग पहचान, रामदरश मिश्र 50. आज की कहानी, विजयमोहन सिंह 51. कहानीः स्वरूप और संवेदना, राजेंद्र यादव 52. हिंदी उपन्यासः 1950 के बाद, नित्यानंद तिवारी 53. उपन्यास स्थिति और गति, डॉ. चंद्रकांत वांदिवडेकर 54. आधुनिक हिंदी उपन्यासः सृजन और आलोचना, डॉ. चंद्रकांत वांदिवडेकर
	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 1. नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु

	उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject..... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: DIPLOMA	**B.A. II YEAR**	**SEMESTER: IV**
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0410101 (A010401T)	**COURSE TITLE** हिंदी अनुवाद	

Course Outcomes:

विद्यार्थियों को हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार–प्रसार में सहायक बनाना।

CREDITS: 6	**MAX. MARKS: 75 (+25)**	**MIN. PASSING MARKS: 33**

Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
I	**अनुवाद की अवधारणाः** अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप अनुवाद का महत्त्व अनुवाद के अन्य रूपः लिप्यंतरण, मशीनी अनुवाद आदि अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएँ अनुवाद में रोजगार की संभावनाएँ	11

II	**अनुवाद की प्रक्रिया, प्रकार, सीमाएँ, अनुवाद के क्षेत्रः साहित्य, कार्यालयी, विज्ञान, विधि, बैंकिंग आदि** **अंग्रेजी–हिंदी अनुवाद की समस्याएँ और समाधान**	11
III	**अनुवाद का सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ :** संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और समाज अनुवाद और भाषा बहुभाषिक समाज में अनुवाद	11
IV	**अनुवाद के साधनः** अनुवाद में कोश का महत्त्व कोशों के प्रकार कोशों के उपयोग संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग थिसॉरस के उपयोग पर्यायकोश के उपयोग उच्चारणकोश के उपयोग भाषिककोश के उपयोग विषयकोश के उपयोग परिभाषाकोश के उपयोग विश्वकोश के उपयोग साहित्यकोश के उपयोग मिथककोश के उपयोग पुराणकोश के उपयोग	11
V	**पारिभाषिक शब्दावली :** पारिभाषिक शब्दः तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	11

VI	**अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा :** पुनरीक्षण मूल्यांकन समीक्षा	11
VII	**अनुवाद सैद्धांतिकी– एक :** (हिंदी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिंदी) प्रशासनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	12
VIII	**अनुवाद सैद्धांतिक– दो :** (हिंदी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिंदी) सामाजिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद	12

संदर्भ ग्रंथः

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972
2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
3. पालीवाल डॉ. रीता रानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली,1994
5. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेंद्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाश, दिल्ली, 1980
7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
9. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्पः समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999
10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012
11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. टंडन पूरनचंद एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005

13. कुंचीपादम सीता, बैंकों में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिंदी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्पः समकालीन संदर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999
16. https://www.oxfordlearnersdictionaries.com/us/(अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश)
17. https://www.shabdavali.rbi.org.in/(बैंकिंग शब्दावली)
18. https://www.rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary(विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोश)
19. https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi(अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश)
20. अनुवाद विज्ञानः सिद्धांत और अनुप्रयोग, डॉ. नगेंद्र (संपादक)
    (हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
21. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, गोपीनाथ जी0, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
22. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन दिल्ली
23. अनुवाद के सिद्धांत, रेड्डी आर. आर.
    (अनुवादः डॉ. जे. एल. रेड्डी) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
24. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत, कैटफोर्ड, जे.सी. सिद्धांत (अनुवादक–डॉ. षिवशंकर दीक्षित)
    मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
25. हिंदी कोश रचना, प्रकार और रूप, रामचंद्र वर्मा
26. हिंदी कोश साहित्य, अचलानंद जखमोला
27. हिंदी शब्द सागर, नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग
28. हिंदी साहित्य कोश, धीरेंद्र वर्मा
29. कोश विज्ञानः सिद्धांत एवं प्रयोग, राम आधार सिंह

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

	निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

PROGRAMME/CLASS: DEGREE	**B.A. III YEAR**	**SEMESTER: V**
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0510101 (A010501T)	**COURSE TITLE** साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना	

Course Outcomes:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्त्व और उनके विषय–क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे तथा वे हिंदी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे।

CREDITS: 5	**MAX. MARKS: 75 (+25)**	**MIN. PASSING MARKS: 33**

Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
I	**भारतीय काव्यशास्त्र :** काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य का स्वरूप	09

II	**भारतीय काव्य सिद्धांतः** अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत रस सिद्धांत ध्वनि सिद्धांत वक्रोक्ति सिद्धांत औचित्य सिद्धांत	09
III	**साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ** काव्य रूप काव्य गुण काव्य दोष शब्द शक्ति	09
IV	**नाट्य शास्त्र :** भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय वृत्ति अभिनय रूपक कथा नेता या नायक नायिका रंगमंचीय विशेषताएँ	09
V	**पाश्चात्य काव्याशास्त्रः** प्लेटो : काव्य सिद्धांत अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत वड्र्सवर्थः काव्यभाषा सिद्धांत रिचड्र्सः संप्रेषण सिद्धांत टी.एस. इलियटः निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	09
VI	**हिंदी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी :** सामान्य परिचय हिंदी आलोचना का विकास सैद्धांतिक आलोचना	10

	स्वछंदतावादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना मनोविश्लेषणवादी आलोचना	
VII	**समीक्षा की विचारधाराएँ :** सामान्य परिचय नई समीक्षा नवशास्त्रवाद यथार्थवाद अभिजात्यवाद और नव्य अभिजात्यवाद कलावाद बिंबवाद प्रतीकवाद संरचनावाद तथा उत्तर संरचनावाद विखंडन	10
VIII	**आलोचक एवं आलोचना दृष्टि :** सामान्य परिचय रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य–नई मान्यताएँ डॉ. नगेंद्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएं रामविलास शर्मा: तुलसी साहित्य में सामंत विरोधी मूल्य नामवर सिंह : कहानी : नई और पुरानी मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष	10

संदर्भ ग्रंथ:

1. शर्मा, देवेंद्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. जैन, निर्मला, पाश्चात्य साहित्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990
3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ, 1987
4. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

7. तिवारी, डॉ. रामचंद्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010
8. काव्यतत्व विमर्श, राममूर्ति त्रिपाठी
9. सिद्धांत और अध्ययन, बाबू गुलाबराय
10. साहित्य–सिद्धांत, रामअवध द्विवेदी
11. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, डॉ. नगेंद्र
12. रससिद्धांतः स्वरूप और विश्लेषण, आनंद प्रकाश दीक्षित
13. रस सिद्धांत, डॉ. नगेंद्र
14. साहित्य का स्वरूप, नित्यानंद तिवारी
15. साहित्य सहचर, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
16. राष्ट्रीय गौरव एवं भारतीय संस्कृति–प्रकाश, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
17. प्रसाद के नाटकः स्वरूप और संरचना, गोविंद चातक
18. हिंदी के प्रतिनिधि एकांकीकार, डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
19. हिंदी एकांकीः समग्र अध्ययन, डॉ. अब्दुर्रशीद ए. शेख
20. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, लक्ष्मीनारायण लाल
21. नाट्य विमर्श, नर नारायण राय
22. भारतीय नाट्य रंगमंच, आचार्य विश्वनाथ मिश्र
23. हिंदी नाटकः आज और कल, वीणा गौतम
24. भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत, डॉ. विश्वनाथ मिश्र
25. गीति नाट्य सिद्धांत और समीक्षा, डॉ. शिवशंकर कटारे
26. नाटक का रंग विधान, डॉ. विश्वनाथ मिश्र
27. हिंदी नाटक आज और कल, जयदेव तनेजा
28. राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक, डॉ. इंदुमति सिंह
29. नाटक का समाजशास्त्र, वी. डी. गुप्ता
30. हिंदी नाटक में समसामयिक परिवेश, विपिन गुप्त
31. हिंदी नाटक नई दिशाएँ नए प्रश्न, गिरीश रस्तौगी
32. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान, डॉ. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी

33. रस सिद्धांत, रामअवध द्विवेदी

34. रस मीमांसा, रामचंद्र शुक्ल

35. रस सिद्धांत, डॉ. नगेंद्र

36. काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र

37. काव्य दर्पण, रामदहिन मिश्र

38. साहित्य संचार, हजारी प्रसाद द्विवेदी

39. काव्य केतत्व, देवेंद्र सत्यार्थी

40. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेंद्र नाथ शर्मा

41. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन

42. आलोचना से आगे, सुधीश पचौरी

43. आस्था के चरण, डॉ. नगेंद्र

44. कविता के नए प्रतिमान, रामदरश मिश्र

45. मिथकीय अवधारणा और यथार्थ, रमेश गौतम

46. चिंतामणि, आचार्य रामचंद्र शुक्ल

47. भारतीय काव्यशास्त्र, सत्येंद्र जैन

48. सिद्धांत और अध्ययन, बाबू गुलाब राय

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75

	नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject..... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: DEGREE	**B.A. III YEAR**	**SEMESTER: V**
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0510102 (A010502T)	**COURSE TITLE** हिंदी का राष्ट्रीय काव्य	
Course Outcomes: हिंदी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना।		
CREDITS: 5	**MAX. MARKS: 75 (+25)**	**MIN. PASSING MARKS: 33**
Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्यः** **चंदबरदाईः** पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज) **जगनिकः** आल्ह खंड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खंड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां ..... भयानक मार) अंतिम पाँच अंश (भोर भुरहरे .....लड़िहैं खूब बीर मलखान)	09
II	**भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य :**	09

	गुरु गोविंद सिंहः देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो, यौं सुनि के बतियान तिह की **भूषणः** इंद्र जिमि जंभ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखैं, दारुन दहत हरनाकुस बिदारिबे कों	
III	**भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य :** **भारतेंदु हरिश्चंदः** उन्नतचितह्वैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै **अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'ः** कर्मवीर, जन्मभूमि **मैथिलीशरण गुप्तः** आर्य, मातृभूमि	09
IV	**छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्यः** **जयंशकर प्रसादः** प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग षृंग), अरूण यह मधुमय देश हमारा **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'ः** भारती वंदना (भारति जय विजय करे), जागो फिर एक बार **माखनलाल चतुर्वेदीः** पुष्प की अभिलाषा, जवानी **सुभद्रा कुमारी चौहानः** वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी	09
V	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्यः** **बालकृष्ण शर्मा नवीन :** कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि–कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है। **रामधारी सिंह 'दिनकर'ः** शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय **श्यामलाल गुप्त 'पार्षद'ः** झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI	**समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरणः** **श्यामनारायण पांडेय :** चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार **द्वारिका प्रसाद माहेश्वरीः** उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो **गोपाल प्रसाद व्यासः** खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	10
VII	**समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरणः** **सोहनलाल द्विवेदीः** मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में) **अटल बिहारी वाजपेयीः** कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें	10

	डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक': मातृ वंदना, हम भारतवासी	
VIII	**हिंदी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य :** **कवि प्रदीपः** ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आँख में भर लो पानी (ग़ैर फ़िल्मी) **साहिर लुधियानवीः** ये देश है वीर जवानों का (नया दौरः 1957) **प्रेम धवनः** ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवालाः 1961) **कैफ़ी आज़मीः** कर चले हम फ़िदा जान–ओ–तन साथियों (हकीकतः 1964) **शकील बदायूंनीः** अपनी आज़ादी को हम हरगिज मिटा सकते नहीं (लीडरः 1964) **राजेंद्र कृष्णः** जहाँ डाल–डाल पर सोने की चिड़ियाँ करती हैं बसेरा (फ़िल्मः सिकन्दर–ए–आज़म 1965) **गुलशन बावराः** मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकारः 1967) **इंदीवरः** है प्रीत जहाँ की रीत सदा (पूरब और पश्चिमः 1971) **संतोष आनंदः** यह आन तिरंगा है यह शान तिरंगा है (तिरंगाः 1993) **प्रसून जोशीः** देस रंगीला रंगीला, देस मेरा रंगीला (फ़नाः 2006)	10

संदर्भ ग्रंथ :

1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भंडार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005 वि.
2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रसो, मोहनलाल विष्णुलाल पांडया और श्याम सुंदर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण, सन 1906.
3. सिंह, शांता चंदबरदाई, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014
4. आल्ह खंड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम
5. श्यामसुंदरदास (संपा), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण
6. सिंह, डॉ. महीप, गुरू गोविंद सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, सन 1969, प्रथम संस्करण
7. सिंह, डॉ. महीप, गुरू गोविंद सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, सन 1969, प्रथम संस्करण
8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010 वि.

10. ब्रजरत्न दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी
11. गिरीश, गिरिजादत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932
12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सन 2008
13. व्यास, विनोद शंकर (संपा), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी
14. वाजपेयी, योगेंद्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि 'निशंक', अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2020
15. 'निशंक' रमेश पोखरियाल–युग पुरूष भारत रत्न अटल जी, डायमंड बुक्स, नई दिल्ली
16. सविता मोहन– राष्ट्रीय काव्यधारा के कवि निशंक, सत्यम पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
17. Kavitakosh.org
18. epustakalay.com
19. ndl.iitkgp.ac.in(National digital library of India)
20. hindigreetmala.net

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject..... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: DEGREE	B.A. III YEAR	SEMESTER: VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0610101 (A010601T)	COURSE TITLE भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि	
Course Outcomes: भाषा के अंगों, हिंदी भाषा के उद्‌भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिंदी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित करना।		
CREDITS: 5	MAX. MARKS: 75 (+25)	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures–Tutorials-Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भाषा एवं भाषा विज्ञान का सामान्य परिचयः भाषा : परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण भाषा विज्ञान : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ	09
II	भाषिक संरचना तथा स्तर : ध्वनि शब्द रूप वाक्य प्रोक्ति अर्थ	09
III	हिंदी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास : पृष्ठभूमि	09

	अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिंदी हिंदुस्तानी मानक हिंदी	
IV	**हिंदी शब्द संपदा और उसके मूल स्रोत :** हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण आधार– वाह्य प्रयत्न, आभ्यंतर प्रयत्न, उच्चारण, स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता	09
V	**हिंदी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय :** पश्चिमी हिंदी पूर्वी हिंदी पहाड़ी हिंदी राजस्थानी हिंदी बिहारी हिंदी	09
VI	**हिंदी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति :** राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण	10
VII	**देवनागरी लिपि :** नामकरण उद्‌भव और विकास विशेषताएँ वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
VIII	**क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन :** कौरवी बोली का विकास क्रम कौरवी बोली का साहित्यिक विकास	10

<u>संदर्भ ग्रंथ :</u>

1. शर्मा आचार्य देवेंद्र नाथ, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली, 1972

2. द्विवेदी कपिल देव, भाषा–विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र, विश्व विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
3. शर्मा डॉ. रामकिशोर, हिंदी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
4. त्रिपाठी सत्यनारायण, हिंदी भाषा और लिपिक का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
5. शर्मा राजमणि, हिंदी भाषाः इतिहास एवं स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
6. तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, 1999
7. वर्मा डॉ. धीरेंद्र, हिंदी भाषा और लिपि, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग, 1951
8. बाहरी हरदेव, हिंदी उद्भव, विकास और रूप, किताब महल, इलाहाबाद, 42वाँ संस्करण, 2018
9. हिंदी भाषा – कैलाश चंद्र भाटिया
10. भाषा विवेचन– भगीरथ मिश्र
11. हिंदी का व्यवहारिक व्याकरण– हरदेव बाहरी
12. हिंदी व्याकरण– कामता प्रसाद गुरु
13. हिंदी भाषा– डॉ. भोलानाथ तिवारी
14. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास– उदयनारायण तिवारी
15. हिंदी भाषा की लिपि संरचना– डा. लक्ष्मी नारायण
16. हिंदी भाषा की वाक्य संरचना– डॉ. भोलानाथ तिवारी
17. भाषा विज्ञान– प्रो नरेश मिश्र
18. हिंदी भाषा में वर्तनी एवं उच्चारण संबंधी त्रुटियां एवं उपचार – भंवर लाल नागदा
19. हिंदी भाषा संरचना के विधि आयाम– रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
20. हिंदी शब्द समूह का विकास– डॉ. नरेश मिश्र
21. हिंदी भाषा के अक्षर तथा शब्द की सीमा– डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया
22. हिंदी और उसकी उपभाषाएँ– विमलेश कांति वर्मा
23. लिपि की कहानी– गुणाकर भूले
24. भाषा और समाज– राम विलास शर्मा
25. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक– डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल
26. भारतीय पुरा लिपि– प्रो. राजबलि पाण्डेय

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject..... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: DEGREE	**B.A. III YEAR**	**SEMESTER: VI**

Subject: Hindi

COURSE CODE: 0610102 (A010602T)	**COURSE TITLE** लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति

Course Outcomes:

भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्त्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

CREDITS: 5	**MAX. MARKS: 75 (+25)**	**MIN. PASSING MARKS: 33**

Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
I	**लोक साहित्य का सामान्य परिचय :** लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण	09

II	**लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य :** लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध	09
III	**लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता :** लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	09
IV	**लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन :** लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्त्व।	09
V	**लोक साहित्य की विविध विधाएँ :** लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	09
VI	**लोक का प्रकीर्ण साहित्य :** लोकोक्तियाँ, मुहावरे एवं पहेलियाँ– परंपरा एवं महत्त्व	10
VII	**हिंदी लोक साहित्य का विकास क्रम :** हिंदी का लोक साहित्य, इतिहास : अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिंदी का लोक साहित्य और बोलियाँ	10
VIII	**कौरवी** लोक साहित्य के प्रमुख रचनाकर, रचनाएं एवं कौरवी लोक साहित्य की विशेषताएं	10

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयोगराज, 1973
2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973
3. सक्सेना, डॉ. उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
5. सुमन, रामनाथ, संपादक, सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010
6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2019
7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
8. यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली, 2018
9. बिसारिया, डॉ. पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेन्द्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली, 2009

10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कम्पनी, आगरा, 1971
11. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुंदेली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017
12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुंदेली काव्य धारा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019
13. उपाध्याय, कुष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
14. सत्येंद्र, ब्रज की लोक कहानियाँ, ब्रज साहित्य मण्डल, मथुरा
15. सत्येंद्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
16. हिंदी प्रदेश के लोक गीत, कृष्ण देव उपाध्याय
17. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य, शंकर लाल यादव
18. मालवी लोक साहित्य का अध्ययन, श्याम परमार
19. वाचिक कविता भोजपुरी, पं. विद्या निवास मिश्र
20. भारतीय लोक साहित्य–परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिंह
21. लखमीचंद का काव्य वैभव, हरिश्चन्द्र बंधु
22. चीनी लोक कथाएँ, अनिल राय
23. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन, हरियाणा साहित्य अकादमी
24. कविता कौमुदी–ग्रामगीत
25. हिंदी लोक साहित्य, सं. राहुल सांस्कृत्यायन
26. कौरवी लोक साहित्य, डॉ. नवीन चंद्र लोहनी
27. खड़ी बोली का लोक साहित्य, डॉ. सत्य गुप्त
28. कौरवी लोक संस्कृति, डॉ. कविता त्यागी
29. कौरवी शब्द कोश, डॉ. कृष्ण चंद्र शर्मा एवं अन्य
30. लोक साहित्य विज्ञान, डॉ. सत्येंद्र

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45

	लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject..... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)